राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान, कांगड़ा

डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर जयंती

दिनांक 14 अप्रैल 2017 को आयोजित 126वीं जयंती

कार्यवाही रिपोर्ट

20वीं शताब्दी के श्रेष्ठ चिन्तक, ओजस्वी लेखक, तथा यशस्वी वक्ता एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री डॉ. भीमराव आंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माणकर्ता हैं। विधि विशेषज्ञ, अथक परिश्रमी एवं उत्कृष्ट कौशल के धनी व उदारवादी, परन्तु सुदृण व्यक्ति के रूप में डॉ. आंबेडकर ने संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. आंबेडकर को भारतीय संविधान का जनक भी माना जाता है।

छुआ-छूत का प्रभाव जब सारे देश में फैला हुआ था, उसी दौरान 14 अप्रैल, 1891 को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का जन्म हुआ था। बचपन से ही बाबा साहेब ने छुआ-छूत की पीडा महसूस की थी। जाति के कारण उन्हें संस्कृत भाषा पढने से वंचित रहना पड़ा था। कहते हैं, जहाँ चाह है वहाँ राह है। प्रगतिशील विचारक एवं पूर्णरूप से मानवतावादी बडौदा के महाराज सयाजी गायकवाङ ने भीमराव जी को उच्च शिक्षा हेतु तीन साल तक छात्रवृत्ती प्रदान की, किन्तु उनकी शर्त थी की अमेरिका से वापस आने पर दस वर्ष तक बडौदा राज्य की सेवा करनी होगी। भीमराव ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय से पहले एम. ए. तथा बाद में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की ।

उनके शोध का विषय "भारत का राष्ट्रीय लाभ" था। इस शोध के कारण उनकी बहुत प्रशंसा हुई। उनकी छात्रवृत्ति एक वर्ष के लिये और बढा दी गई। चार वर्ष पूर्ण होने पर जब भारत वापस आये तो बडौदा में उन्हे उच्च पद दिया गया किन्तु कुछ सामाजिक विडंबना की वजह से एवं आवासिय समस्या के कारण उन्हें नौकरी छोडकर बम्बई जाना पडा। बम्बई में सीडेनहम कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर नियुक्त हुए किन्तु कुछ संकीर्ण विचारधारा के कारण वहाँ भी परेशानियों का सामना करना पडा। इन सबके बावजूद आत्मबल के धनी भीमराव आगे बढते रहे। उनका दृण विश्वास था कि मन के हारे, हार है, मन के जीते जीत। 1919 में वे पुनः लंदन चले गये। अपने अथक परिश्रम से एम.एस.सी., डी.एस.सी. तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर भारत लौटे।

1923 में बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत शुरु की अनेक कठनाईयों के बावजूद अपने कार्य में निरंतर आगे बढते रहे। एक मुकदमे में उन्होने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फांसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। इसके पश्चात बाबा साहेब की प्रसिद्धी में चार चाँद लग गया।

डॉ. आंबेडकर की लोकतंत्र में गहरी आस्था थी। वह इसे मानव की एक पद्धति (Way of Life) मानते थे। उनकी दृष्टी में राज्य एक मानव निर्मित संस्था है। इसका सबसे बडा कार्य "समाज की आन्तरिक अव्यवस्था और बाह्य अतिक्रमण से रक्षा करना है।" परन्तु वे राज्य को निरपेक्ष शक्ति नही मानते थे। उनके अनुसार- "किसी भी राज्य ने एक ऐसे अकेले समाज का रूप धारण नहीं किया जिसमें सब कुछ आ जाय या राज्य ही प्रत्येक विचार एवं क्रिया का स्रोत हो।"

अनेक कष्टों को सहन करते हुए, अपने कठिन संर्घष और कठोर परिश्रम से उन्होंने प्रगति की ऊंचाइयों को स्पर्श किया था। अपने गुणों के कारण ही संविधान रचना में, संविधान सभा द्वारा गठित सभी समितियों में 29 अगस्त, 1947 को "प्रारूप-समिति" जो कि सर्वाधिक महत्वपूर्ण समिति थी, उसके अध्यक्ष पद के लिये बाबा साहेब को चुना गया। प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. आंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। संविधान सभा में सदस्यों द्वारा उठायी गयी आपत्तियों, शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का निराकरण उनके द्वारा बडी ही कुशलता से किया गया। उनके व्यक्तित्व और चिन्तन का संविधान के स्वरूप पर गहरा प्रभाव पडा। उनके प्रभाव के कारण ही संविधान में समाज के पद-दलित वर्गों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के उत्थान के लिये विभिन्न संवैधानिक व्यवस्थाओं और प्रावधानों का निरुपण किया ; परिणाम स्वरूप भारतीय संविधान सामाजिक न्याय का एक महान दस्तावेज बन गया।

1948 में बाबा साहेब मधुमेह से पीड़ित हो गए । जून से अक्टूबर 1954 तक वो बहुत बीमार रहे इस दौरान वो नैदानिक अवसाद और कमजोर होती दृष्टि से भी ग्रस्त रहे । अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध और उनके धम्म को पूरा करने के तीन दिन के बाद 6 दिसंबर 1956 को अम्बेडकर इह लोक त्यागकर परलोक सिधार गये। 7 दिसंबर को बौद्ध शैली के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया जिसमें सैकड़ों हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। भारत रत्न से अलंकृत डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अथक योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता , धन्य है वो भारत भूमि जिसने ऐसे महान सपूत को जन्म दिया ।

बबा साहेब को और उनके कार्यो को भारत सदा याद रखेगा।पूरे भारत में डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर जी की पुण्य जयंती को एक राष्ट्रीय दिवस के रूप में अयोजित किया गया। इस अवसर पर निफ्ट कांगडा में भी जयंती को आयोजित किया गया। कार्यक्रमों का विवरण आगे के पृष्ठों पर दिया गया है।

1. आदर्श वाक्य लेखन कार्यक्रमः

जयंती के अवसर पर कई कर्मचारियों ने सफेद बोर्ड पर डॉ0 भीम राव अंबेडकर से सम्बंधित आदर्श वाक्य लिख कर सभी के लिए अपना संदेश व भावनाए प्रकट की जिसकी कुछ तसवीरे नीचे दी गई है

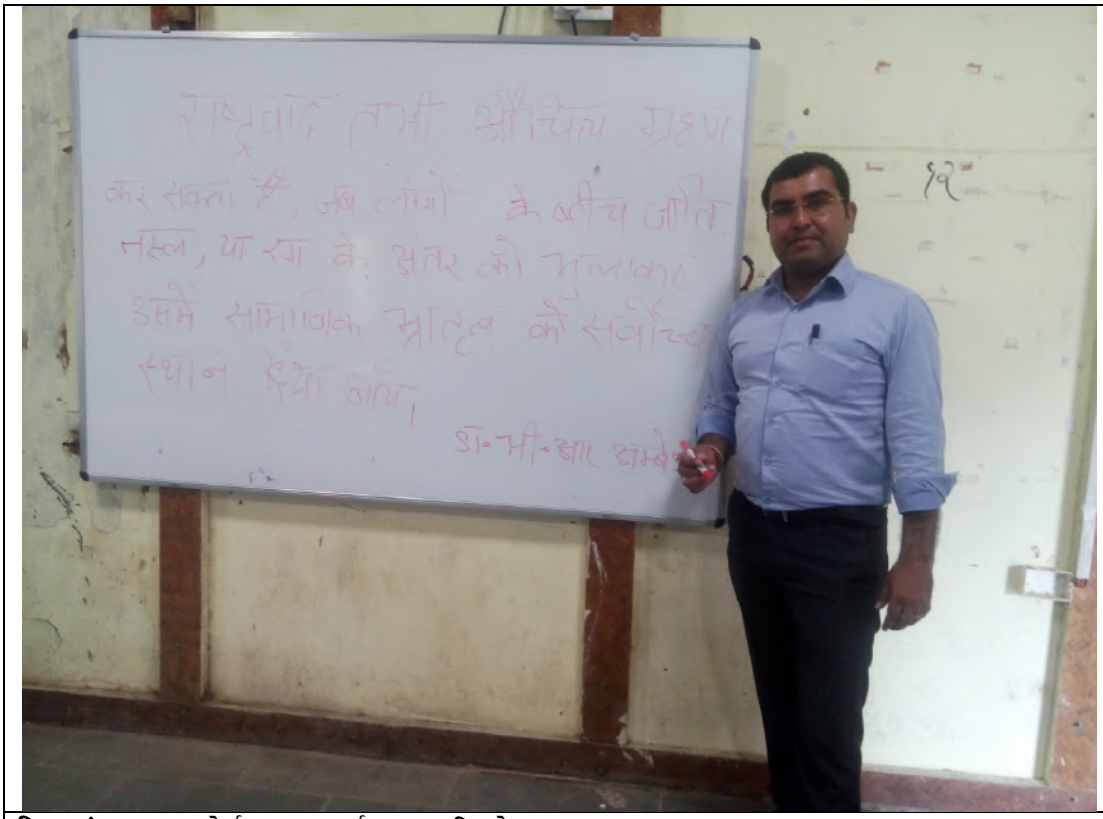

चित्र संख्या 01: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते प्राध्यापक

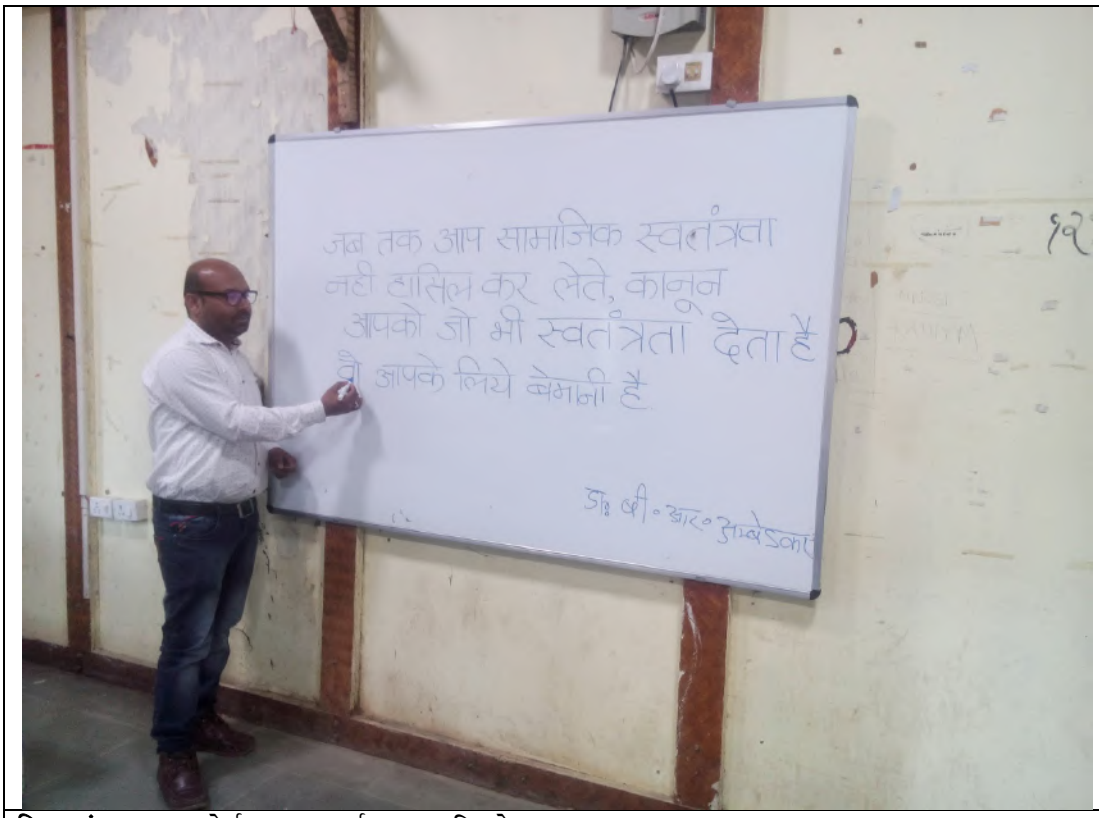

चित्र संख्या 02: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते प्राध्यापक

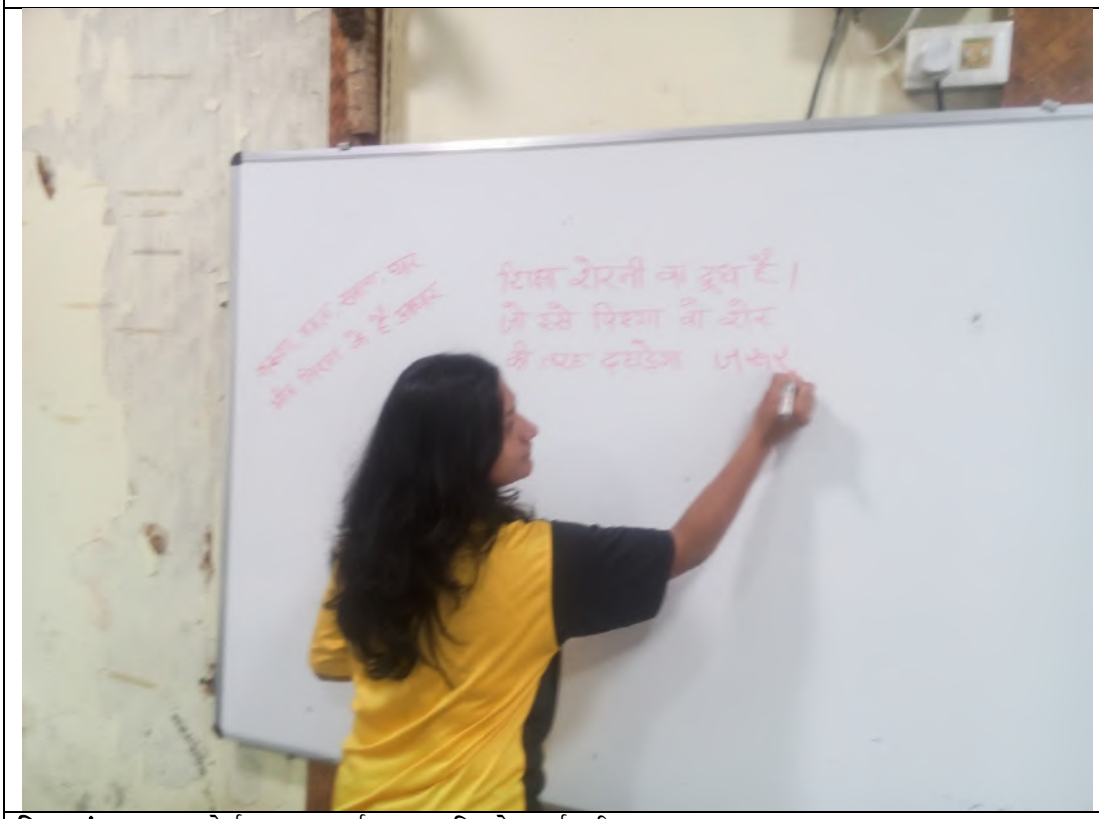

चित्र संख्या 03: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते कर्मचारी

चित्र संख्या 04: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते कर्मचारी

चित्र संख्या 05: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते कर्मचारी

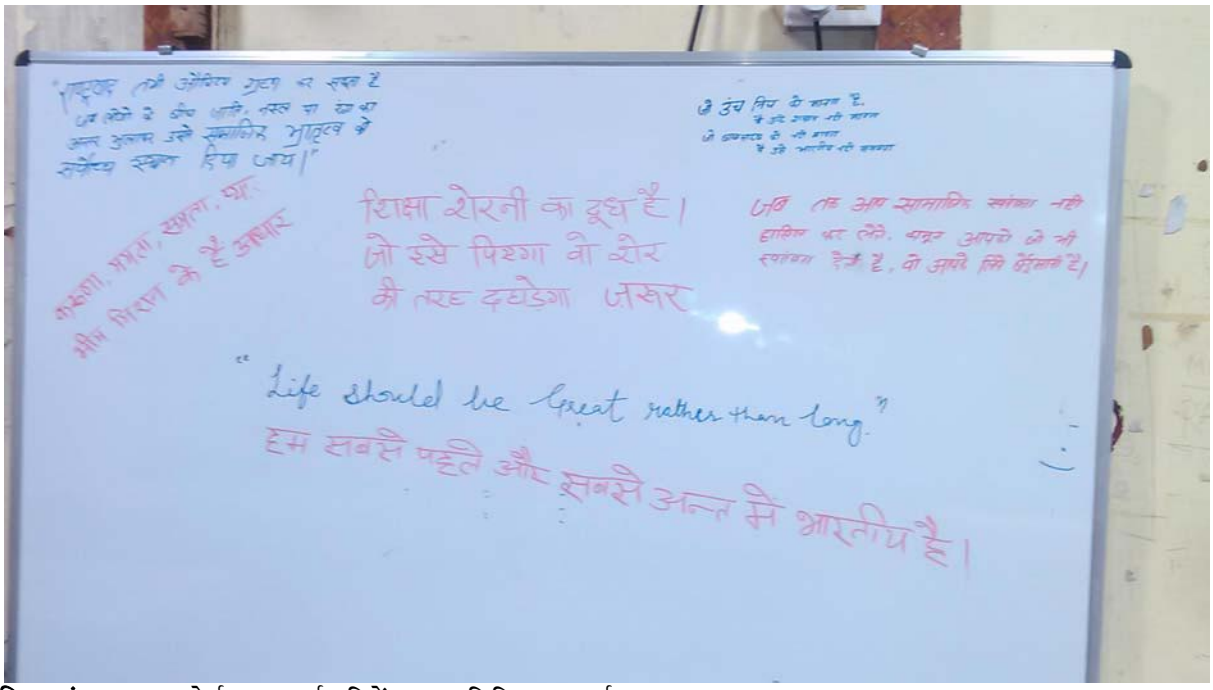

चित्र संख्या 05: बोर्ड पर कर्मचारियों द्वारा लिखित आदर्श वाक्य

2. जयंती के अवसर पर कैंपस निदेशक की अध्यक्षता में बैठकः

दिनांक 14.04.2017 को सांय काल के समय कैंपस निदेशक प्रो0 एस. के. बाला सिर्द्धाथा की अध्यक्षता में प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में डॉ. दीपक जोशी जी ने बाबा साहेब के जीवन से जुडे तथ्यो के बारे सभी को जानकारियां दी।

कैंपस निदेशक प्रो0 एस. के. बाला सिर्द्धाथा जी ने सभी को सम्बोधित करते हुए अपने विचार प्रकट किए और विद्यार्थियों को बाबा साहेब के बारे कई राचक तथ्य विद्याथ्यिों को बताया। इसके अतिरिक्त निदेशक महोदय ने विद्यार्थियों को बाबा साहेब के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश भी विद्यार्थियों को दिया और बताया कि किस प्रकार बाबा साहेब ने कठिन परिस्थितियों में भी साहस का साथ न छोड कर सफलता हासिल की।

इस अवसर पर कैंपस की छात्रा इप्शीता ने भी बाबा साहेब के जीवन से जुडे कई तथ्यों पर अपने विचार रखे।

आयोजित बैठक की कुछ तस्वीरे नीचे दीं गई है

चित्र संख्या 06: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक

चित्र संख्या 07: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक

चित्र संख्या 08: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक

चित्र संख्या 09: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक

चित्र संख्या 10: बैठक के दौरान अपने विचारों से सभी को सम्बोधित करती छात्रा इशिता पात्रा

चित्र संख्या 11: बैठक के दौरान अपने विचारों से सभी को सम्बोधित करती छात्रा इशिता पात्रा

चित्र संख्या 12: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैंपस निदेशक

चित्र संख्या 13: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैंपस निदेशक

चित्र संख्या 14: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैंपस निदेशक

चित्र संख्या 15: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैंपस निदेशक

चित्र संख्या 16: बैठक में भाग लेते निदेशक महोदय, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र

3. नई प्रारम्भ हुई भीम एप्प प्रचार/सूचना :

जयंती के अवसर पर डॉ0 दीपक जोशी जी ने अभी नई प्रारम्भ हुइ नई भीम एप्प की जानकारी बैठक में आए सभी लोगो को दी तथा उसे चलाने व उसे मोबाइल में डाउनलोड करने के बारे में भी सभी को बताया।

इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने उसी समय भीम एप्प को डाउनलोड किया और जोशी जी ने उसे ठीक प्रकार से एप्प को इस्तेमाल करने की जानकरी सभी को दी जिसकी कुछ तस्वीरे नींचे दी गई है

चित्र संख्या 17: भीम एप्प की जानकारी देते डॉ0 दीपक जोशी

चित्र संख्या 18: भीम एप्प की जानकारी देते डॉ0 दीपक जोशी

डॉ0 भीमराव रामाजी अम्बेडकर जयंती के अवसर पर निफ्ट में कुछ पोस्टर भी बनाए गए जिनकी छायाप्रति अगले पृष्ठों पर दिए गए हैं

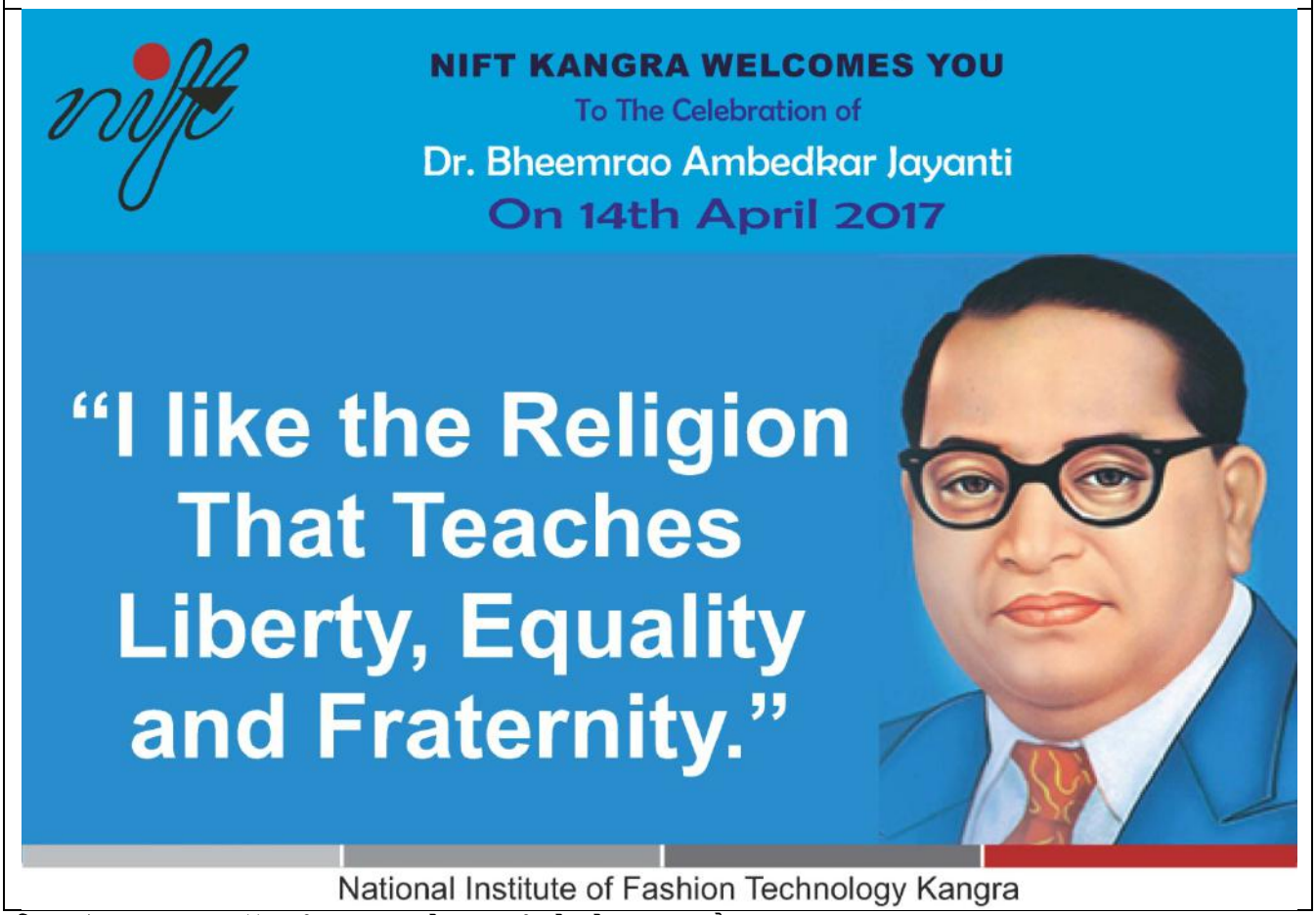

चित्र संख्या 19-20: डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

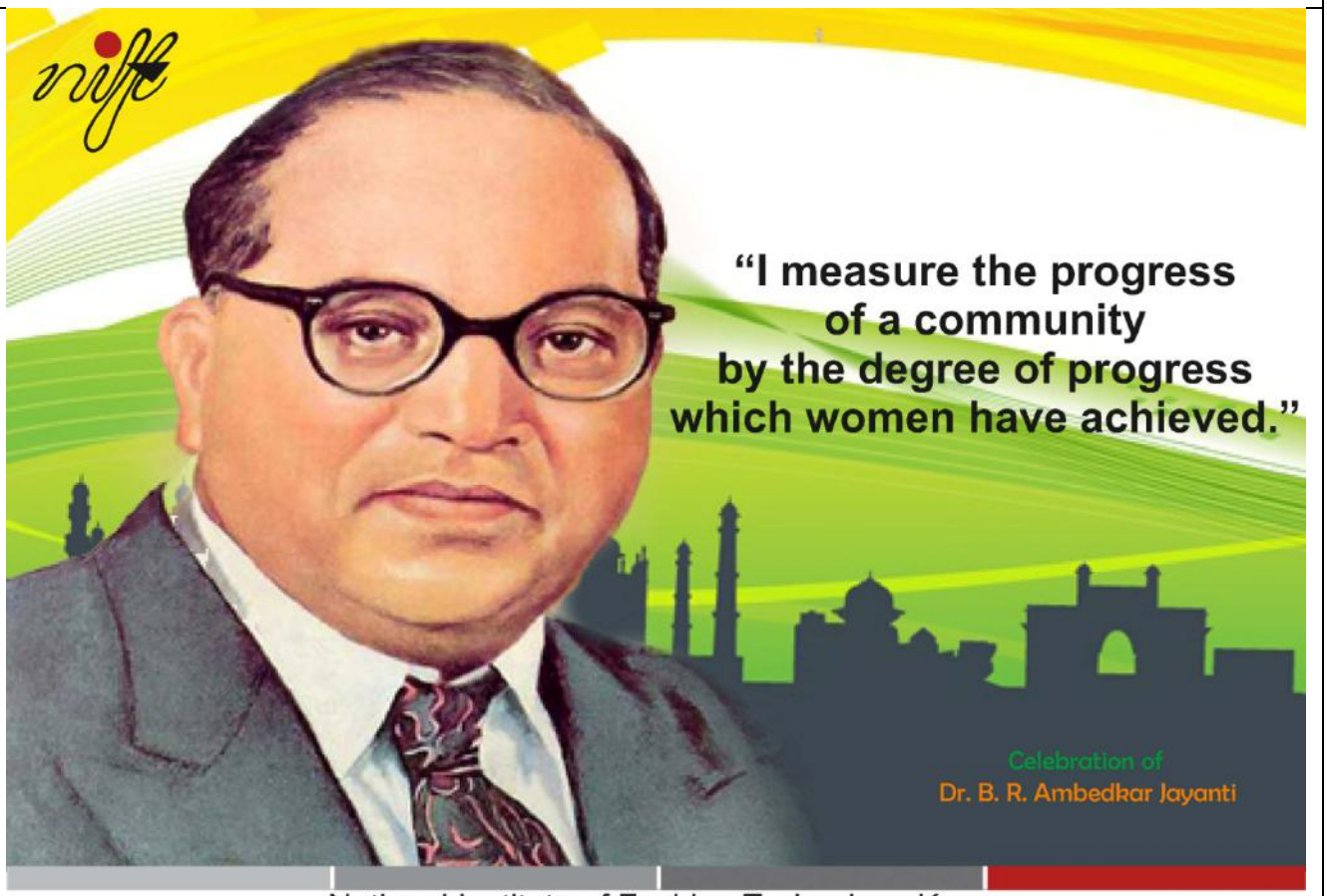

चित्र संख्या 21-22: डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

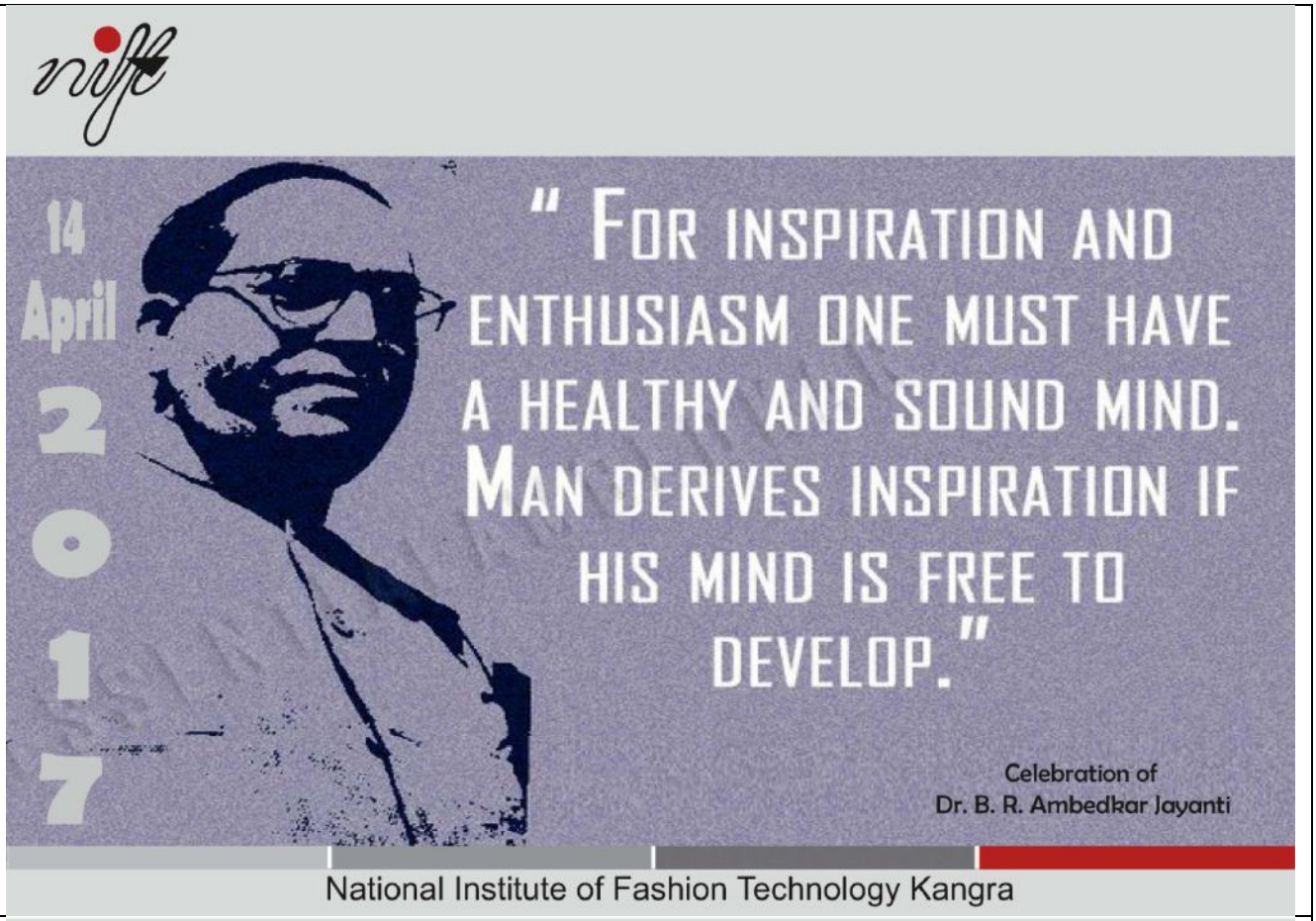

चित्र संख्या 23-24: डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

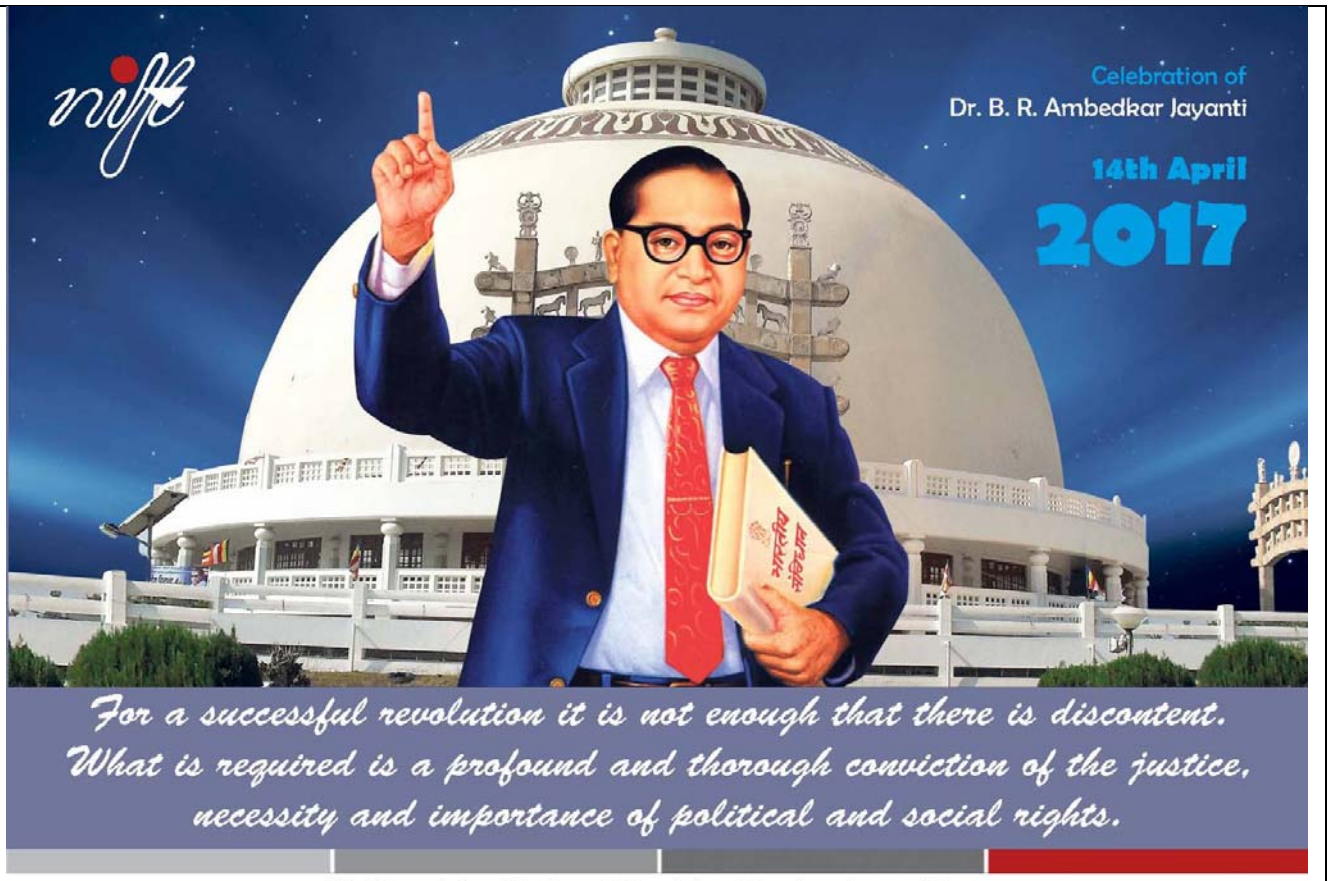

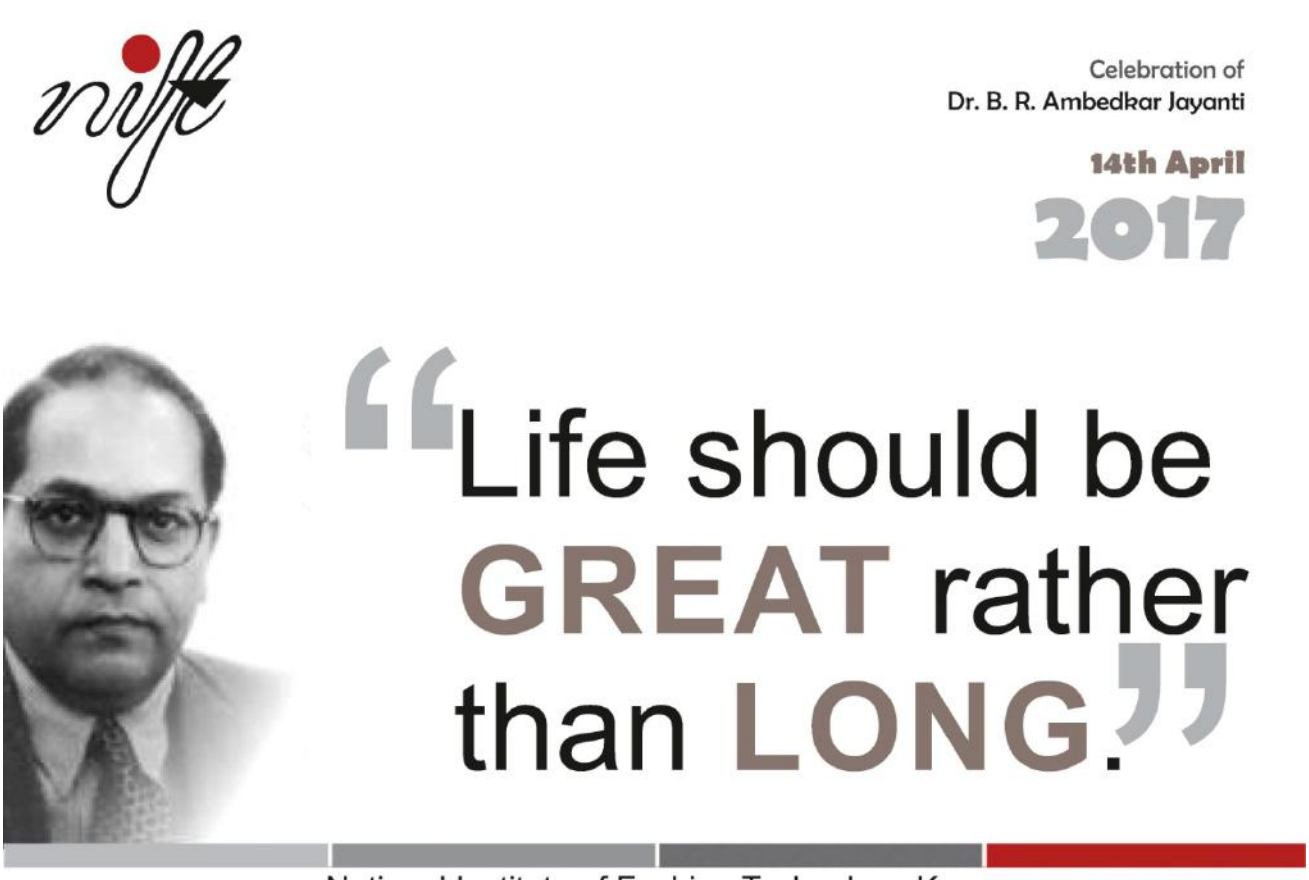

चित्र संख्या 25-26: डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

छात्र विकास गतिविधि सेल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट

राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान
निफ्ट कैंपस, छेब, कांगडा हिमाचल प्रदेश-176001
फोन न:01892-263872 फैक्स न.: 01892-260872
ई मेलः sdac.kangra@nift.ac.in